BDP/BCA/BTS

सत्रांत परीक्षा

फरवरी, 2021

BMAF-001 : मैथिली में आधार पाठ्यक्रम

Time : 2 hours *Maximum Marks : 50*

नोट : *निम्नलिखित **सभ** प्रश्नक उत्तर देब अनिवार्य अछि ।*

1. कोष्ठमे देल उत्तर मेसँ शुद्ध उत्तर ताकि रिक्त स्थानकेँ भरू : *5*

(क) भाषा मे उच्चरित ध्वनिक हेतु जाहि चिह्नक प्रयोग कयल जाइत अछि से थिक _____ (शब्द/वर्ण/वर्तनी)

(ख) मैथिलीक मूल लिपिकेँ कहल जाइत अछि _____ (तिरहुता अथवा मिथिलादार/मैथिली)

(ग) मैथिली लिखबाक हेतु एखन अधिकतर _____ लिपिक प्रयोग कयल जाइत अछि ।
(मिथिलाक्षर अथवा तिरहुता/देवनागरी)

(घ) जापानी भाषा मे वर्ण _____ लिखल जाइत अछि । (ऊपरसँ नीचाँ दिस/दहिनसँ बाम दिस/बामसँ दहिन दिस)

(ङ) कोनो भाषाक वर्णमाला ओहि भाषा _____ प्रतीक होइछ । (शब्दक/ध्वनिक)

2. निम्नलिखित शब्दक तीन-तीन टा पर्याय लिखू : *5*

(क) रानी

(ख) राजा

(ग) फूल

(घ) सूर्य

(ङ) कुल

3. निम्नलिखित लोकोक्तिक अर्थ स्पष्ट करैत वाक्य निर्माण करू : *5*

(क) तिलक ताड़ बनायब

(ख) अपटीक खेतमे प्राण जायब

(ग) कान ठाढ़ होयब

(घ) कंठ फूटब

(ङ) टिटि आइत रहब

4. निम्नलिखित पावनि कोन मासमे होइत अछि ? *5*

(क) सरस्वती पूजा — माघ अथवा फागुन

(ख) जूड़शीतल — चैत अथवा वैशाख

(ग) बरसाति — जेठ अथवा अषाढ़

(घ) दशमी — आसिन अथवा कातिक

(ङ) सुकशती — कातिक अथवा अगहन

5. शब्दकोशसँ आन जानकारी कोना प्राप्त कयल जा सकैछ । पचास शब्दमे बुझाउ । *5*

6. कोनो ***एक*** अवतरणक सप्रसंग व्याख्या करू : *7*

(क) करुणागार उदार प्राणपति, वन देल दोष लगाय रे ।
देवर-दोष विधिक हम की कहु, जनि घर धर्म्म ने न्याय रे ।।
हमरहि हेतु दशानन मारल, कपिगण संग लगाय रे ।
तरवन पतिव्रत हमर देखल सम, अनल मे गेलहुँ समाय रे ।।
नैहर जौँ मिथिला चलि जायब, कहत बापकी माय रे ।
पुरुष-परशमणि-कर हम सोपल, अयली की नाम हँसाय रे ।।
सिरिस सुमन बरु होइ अशनि सन, अशनि केहन भय जाय रे ।
से बरु होय होथि नहि अकरुण, अहँकाँ बड़का माय रे ।।

(ख) 'आइ जखन ओ ढेङ हँटि गेलैक तँ आँकुर सभ
टुकुर-टुकुर ताकि रहल अछि, आब एहि
सभमे नव जीवनक संचार होयतैक । ई आँकुर
सभ आलोक पाबि सबल होयत आ रंग –
बिरंगक पुष्प-पत्र आ फलक संग प्रकट होयता'

7. कोनो ***एक*** शीर्षककेँ तीन सय शब्द मे पल्लवित करू : *7*

(क) हरिमोहन झा

(ख) मधुप

(ग) सुधांशु 'शेखर' चौधरी

8. 'पीअर आँकुर' शीर्षक निबन्धक सार वस्तु लिखू : *7*

9. कोनो ***एक*** विषय पर टिप्पणी करू : *4*

(क) पत्र-लेखनक प्रकार

(ख) संक्षेपणक महत्त्व

(ग) स्थापत्य कला